# PRAGYA COLLEGE OF EDUCATION

## M.ED 2021-23

## INTERNSHIP PROGRAMME

## ANALYSIS OF TEXT BOOK

Pragya College of Education

Topic .....  Date .....  Page No.....

# विश्लेषण क्या है।

★ पाठ्यक्रम क्या है? पाठ्यक्रम का अर्थ पाठ्यक्रम की परिभाषा दीजिए?

★ पाठ्यक्रम का महत्व

★ संविधान में शिक्षा से संबंधित शामिल मूल्य कौन-कौन से है।

★ राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 के अनुसार पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तक, शिक्षा का उद्देश्य।

★ कक्षा 10वीं की पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक संविधान और NPE - 1986 के अनुसार है, या नहीं इसका विश्लेषण करें।

Pragya College of Education

1

Topic .................... Date .................... Page No. ....................

What is Analysis विश्लेषण क्या है?

यदि मूलतः गणित के क्षेत्र में ठीक गणितज्ञों के प्रमेय को पहले ही सिद्ध किए गए कथनों या प्रमेयों से अथवा स्वीकृत स्वयंसिद्ध तथ्यों में रूपांतरित करके सिद्ध करने की प्रक्रिया को विश्लेषण नाम दिया था किन्तु वर्तमान में संश्लेषण के विपरीत अर्थ में विश्लेषण का प्रयोग किया जाता है किसी विधान या व्यास्पाक्रम को सूक्ष्मता में परीक्षण करने की तथा उसके मूल तथ्यों को खोजने की क्रिया को विश्लेषण नाम दिया जाता है इसमें शामिल है अलग-अलग करना, छानबीन करना, जाँच करना।

पाठ्यक्रम क्या है यह कैसा होना चाहिए?

पाठ्यक्रम का अर्थ :-

अंग्रेजी भाषा में पाठ्यक्रम के लिए curriculum शब्द का प्रयोग किया जाता है। परन्तु 'करीक्यूलम' लैटिन भाषा शब्द है। जिसका अर्थ होता है 'दौड़ का मैदान' Race course शिक्षा के अन्तर्गत इसका अर्थ है छात्रों का दौड़ का मैदान यहाँ पर मैदान का अर्थ पाठ्यक्रम से है। और दौड़ का अर्थ है छात्रों द्वारा अनुभव एवं उनकी क्रियाओं से है, पाठ्यक्रम एक दिशा और साधन है। जिसका अनुसरण करके शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है। शिक्षा का उद्देश्य बदलता रहा है। अतीत पाठ्यक्रम का अर्थ संकुचित कुछ विषयों में शिक्षा के प्रारूप को ही पाठ्यक्रम कहते हैं। परन्तु आज को सन्दर्भ में अधिक व्यापक अर्थ है। बालक को भावी जीवन के लिए तैयार कर के ऐसा पाठ्यक्रम होना चाहिए केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं है पाठ्यक्रम विकास सदैव भविष्य के लिए किया जाता है।

Pragya College of Education

## पाठ्यक्रम की परिभाषा :-

कनिंघम के अनुसार " कलाकार (शिक्षक) के हाथ में यह (पाठ्यक्रम) एक साधन है। जिससे वह पदार्थ (शिक्षार्थी) को अपने आदर्श उद्देश्य के अनुसार अपने स्टूडियो में ढाल सके।

मुनरो के अनुसार " पाठ्यक्रम में वे सब क्रियाएँ सम्मिलित हैं। जिनका हम शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विद्यालय में उपयोग करते हैं।

## पाठ्यक्रम का महत्व :-

पाठ्यक्रम के द्वारा ही स्पष्ट किया जाता है। कि विद्यालय में भिन्न-भिन्न स्तरों पर किस-२ विषय का कितना ज्ञान दोनों को दिया जाएगा। इस प्रकार पाठ्यक्रम के पाठ्य-सामग्री का निर्धारण होता है, जिससे शिक्षण प्रक्रिया को सुनियोजित करने में सहायता मिलती है।

Pragya College of Education

☆ शिक्षण सत्र मे किसी कक्षा- विशेष को कितना पढ़ाना है। और छात्रों को यह पता लग जाता है कि पूरे सत्र मे उन्हे कितना पढ़ना है कि लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाते है।

☆ पाठ्यक्रम मे सभी कार्य स्पष्ट होने से अध्यापक व छात्रों दोनो की शक्ति व समय का सदुपयोग होता है।

☆ पाठ्यक्रम की सहायता से बच्चो की योग्यता का मुल्यांकन करने से सहायता मिलती है।

☆ पाठ्यक्रम पूरे समाज मे शिक्षा का एक सामान्य स्तर रखने की सहायता करता है।

☆ शिक्षा के उद्देश्यो की प्राप्ती हो रही है या नही इस बात को जान्च करने मे भी सहायता करता है।

☆ पाठ्यपुस्तको का निर्माण पाठ्यक्रम के आधार पर ही होता है।

☆ पाठ्यक्रम की सहायता से ही निरीक्षण या मुख्याध्यापक अपने विद्यालय की शैक्षिक प्रगति का पाठ्यक्रम निरीक्षण कर सकते है।

Pragya College of Education

पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय किन-किन सिद्धान्त का ध्यान में रखना जरूरी है।

1. **पाठ्यक्रम शैक्षिक उद्देश्यों के अनुसार हो :-** पाठ्यक्रम ऐसा हो जो शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हो पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई किसी एक या उसके उद्देश्यों पर आधारित हो -

2. **पाठ्यक्रम बच्चों के मानसिक स्तर के अनुसार हो :-** क्षमता रुचियों एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाए।

3. **क्रियाशीलता का सिद्धान्त :-** बच्चा हमेशा सक्रिय रहना चाहिए पाठ्यक्रम का आयोजन इस प्रकार से किया जाए जिससे बच्चों को स्वयं कार्य करने के अवसर प्राप्त करें।

4. **समवाय का सिद्धान्त :-** ज्ञान अपने आप में पूर्ण इकाई है विभिन्न विषय ज्ञान की उप-इकायाँ हैं इनमें आपस में सह-संबंध है। इस प्रकार एक विषय का अन्य विषयों से भी समवाय स्थापित किया जा सकता है।

5. **वातावरण के साथ एकीकरण का सिद्धान्त :-** पाठ्यक्रम में बच्चे के जीवन से संबंधित घटनाओं को समन्वित करना चाहिए ताकि वह अपने सामाजिक वातावरण के साथ तालमेल स्थापित कर सके।

Pragya College of Education

Topic ..... Date ..... Page No.....

6.) **उपयोगिता का सिद्धान्त :-** पाठ्यक्रम में ऐसे प्रकरणों को स्थान देना चाहिए के बालक जो भावी जीवन के लिए तैयार करते है। जिसका अध्ययन कर वह समाज का उपयोगी सदस्य बन सके।

7.) **निरंतरता का सिद्धान्त :-** बच्चे प्राप्त अनुभवों के आधार पर जटिल सामग्री को समझने का प्रयास कर सके किसी भी स्तर का पाठ्यक्रम अपने से पूर्व स्तर के पाठ्यक्रम पर आधारित होना चाहिए इनसे अधिगम में निरंतरता बनी रहती है।

8.) सद्भावनाओं को विकसित करने वाला होना चाहिए।

9.) प्रजातांत्रिक मूल्यों को विकसित करने वाला होना चाहिए।

10.) बालकों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं पर आधारित होना चाहिए।

11.) पाठ्यक्रम इकाइयों में विभाजित होना चाहिए।

वास्तव में पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य एक गंभीर एवं उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य है। समय-2 पर पाठ्यक्रम का मूल्यांकन भी करते रहना चाहिए वह बदलते हुए परिवेश के लिए उपयोगी है या नहीं

Pragya College of Education

Topic ..... Date ..... Page No.....

## एक अच्छी पाठ्यक्रम की उपयोगिता और विशेषताएँ :-

### ★ पाठ्यपुस्तक की उपयोगिता :-

1) पाठ्यपुस्तके विषय को दोहराने मे सहायता करती है।
2) पाठ्यपुस्तको की सहायता से ही अनेक छात्रो को एक साथ पढ़ना सम्भव होता है।
3) इनसे अध्यापक व छात्र दोनो के समय व शक्ति की बचत होती है।
4) पाठ्यपुस्तके कक्षा मे जाने से पूर्व विषय तैयार करने मे अध्यापक की सहायता करती है।
5) ये छात्रो को गृहकार्य देने मे अध्यापक की सहायता करती है। छात्रो को गृहकार्य करने मे मदद करती है।
6) छात्रो मे साहित्यिक रुचि विकसित करने के लिए पाठ्यपुस्तके ही मुख्य भूमिका अदा करती है।
7) छात्रो मे अवकाश के समय का सदुपयोग करती है। इन्ही से 'एकांत' के क्षणो की प्रिय मित्र कहा जाता है।
8) बहुत सी पाठ्यपुस्तके आधुनिक शिक्षण - पद्धतियाँ जैसे - योजना विधि, उल्टन विधि आदि मे पाठ्यपुस्तको के बिना कार्य पूरा नही हो सकता इनमे छात्रो को स्वयं अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करना होता है शिक्षक तो केवल पथ - प्रदर्शक का कार्य करते है।
9) पाठ्यपुस्तके छात्रो के ज्ञान मे वृद्धि करती है। इनके द्वारा छात्रो को विभिन्न विषयो की जानकारी होती है।

Pragya College of Education